दोस्त – साथी – Friend:- दोस्त का मतलब साथी होता है, यह दोस्त हर अच्छे बुरे काम में साथ देते हैं । अच्छे दोस्त अपनी दोस्ती अच्छे से निभाते हैं । दोस्त वह होते हैं जिनके साथ हम अपना हर सुख दुख बांट सकते हैं।

आपस – परस्पर – Mutual :- आपस का मतलब परस्पर होता है, जो हम कोई भी काम आपस में मिलकर करते हैं वह काम बहुत ही अच्छे से हो जाता है।

तने – डंठल – Stem :- तना का मतलब डंठल होता है, पौधे का वह भाग जो भुमि के ऊपर भ्रूण के प्रांकुर से विकसित होकर पृथ्वी के गुरूत्वाकर्षण के विपरीत प्रकाश की ओर बढ़ता है, तना कहलाता है। इससे शाखाएँ, पत्ते, फूल और फल उत्पन्न होते हैं।

शाखाओं – शाखाओं – Branches :- शाखा पेड़ का लकड़ी वाला वह भाग होता है जो कि तने से जुड़ा होता है लेकिन तने का भाग नहीं होता है। पेड़ के तने से कई शाखाएँ जुड़ी होती हैं। उदाहरण के लिए :- भौतिकी विज्ञान की एक शाखा है। किसी मृग के दो प्रमुख सींगों से निकले छोटे-छोटे सींगों को भी शाखा कहते हैं।

थक – हारना – Tired :- थकना का अर्थ हार जाना होता है। जब हम कोई भी कार्य जरूरत से ज्यादा करके थक जाते हैं हार जाते है। हमारे शरीर में कमजोरी महसूस होती है।

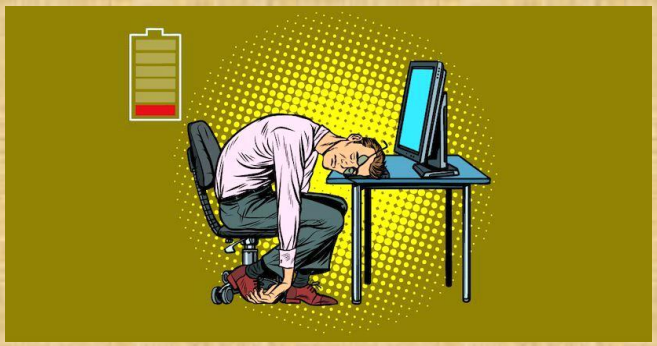

पेड़ की छाया – पेड़ की छाया – Tree shade:- पेड़ की छाया सबको मिले, इससे पुण्य का और कोई काम नहीं है। सहयोगसमिति के सहायक निबंधक शशिबाला रावल ने कहा अपने कर्तव्य के तहत हर व्यक्ति कम से कम एक पौधा जरूर लगाएं। पेड़-पौधे अधिक से अधिक होंगे तभी पर्यावरण भी सुरक्षित रहेगा और हमलोग शुद्ध हवा ले सकेंगे। सुमन कुमार ने बताया हर व्यक्ति को पौधा लगाना चाहिए।

नदी – प्रवाह – River:- नदी भूतल पर प्रवाहित एक जलधारा है, जिसका स्रोत प्रायः कोई झील, हिमनद, झरना या बारिश का पानी होता है तथा किसी सागर अथवा झील में गिरती है। नदी शब्द संस्कृत के *नद्यः* से आया है। संस्कृत में ही इसे *सरिता* भी कहते हैं।

नदी दो प्रकार की होती है- सदानीरा या बरसाती। सदानीरा नदियों का स्रोत झील, झरना अथवा हिमनद होता है और वर्ष भर जलपूर्ण रहती हैं, जबकि बरसाती नदियाँ बरसात के पानी पर निर्भर करती हैं। गंगा, यमुना, कावेरी, ब्रह्मपुत्र, अमेज़न, नील आदि सदानीरा नदियाँ हैं। नदी के साथ मनुष्य का गहरा सम्बंध है। नदियों से केवल फसल ही नहीं उपजाई जाती है बल्कि वे सभ्यता को जन्म देती हैं अपितु उसका लालन-पालन भी करती हैं। इसलिए मनुष्य हमेशा नदी को देवी के रूप में देखता आया है।

हमारे अतीत में ऋषि, मुनियों ने इन नदियों के किनारे ज्ञान को प्राप्त किया। अभी भी बड़े बड़े विकसित महानगर नदियों के किनारे बसे हैं। मानव सभ्यता और सस्कृति नदियों के किनारे ही फली फुली है।

नाव – नाव – Boat:- नाव या नौका (boat) डाँड़, क्षेपणी, चप्पू, पतवार या पाल से चलने वाली एक प्रकार की छोटी जलयान है। आजकल नावें इंजन से भी चलने लगी हैं और इतनी बड़ी भी बनने लगी हैं कि पोत (जहाज) और नौका (नाव) के बीच भेद करना कठिन हो जाता है। वास्तव में पोत और नौका दोनों समानार्थक शब्द हैं, किंतु प्राय: नौका शब्द छोटे के और पोत बड़े के अर्थ में प्रयुक्त होता है।

गांव – देहात – Village :- ग्राम या गाँव छोटी-छोटी मानव बस्तियों को कहते हैं जिनकी जनसंख्या कुछ सौ से लेकर कुछ हजार के बीच होती है। प्रायः गाँवों के लोग कृषि या कोई अन्य परम्परागत काम करते हैं। गाँवों में घर प्रायः बहुत पास-पास व अव्यवस्थित होते हैं। परम्परागत रूप से गाँवों में शहरों की अपेक्षा कम सुविधाएँ (शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य आदि की) होती हैं।

तूफान – आंधी – Storm:- तूफान का मतलब आंधी से है ।
तूफ़ान या आँधी पृथ्वी या किसी अन्य ग्रह के वायुमंडल में उत्तेजना की स्थिति को कहते हैं जो अक्सर सख़्त मौसम के साथ आती है। इसमें तेज़ हवाएँ, ओले गिरना, भारी बारिश, भारी बर्फ़बारी, बादलों का चमकना और बिजली का चमकना जैसे मौसमी गतिविधियाँ दिखती हैं। आमतौर पर तूफ़ान आने से साधारण जीवन पर बुरा असर पड़ता है। यातायात और अन्य दैनिक क्रियाओं के अलावा, बाढ़ आने, बिजली गिरने और हिमपात से जान व माल की हानि भी हो सकती है। रेगिस्तान जैसे शुष्क क्षेत्रों में रेतीले तूफ़ान और समुद्रों में ऊँची लहरों जैसी ख़तरनाक स्थितियाँ भी पैदा हो सकती हैं। इसके विपरीत बारिश व हिमपात से कुछ इलाक़ों में सूखे की समस्या में मदद भी मिल सकती है।
मौसम-वैज्ञानिक अनुमान लगाते हैं कि हर साल पृथ्वी पर लगभग १.६ करोड़ गरज-चमक वाले तूफ़ान आते हैं।

Brainbox learn easy

बूढ़ा – वृद्ध – Old :- बूढ़ा का मतलब वृद्ध होता है । बूढ़े हो जाने पर चेहरे के सारे मांस ढीली पड़ जाती है। बूढ़े होने पर शरीर में कई तरह की बीमारी और कमजोरी भी होने लगती है।

सर्दियों – शीत – Winter :- सर्दियों का मतलब ठंड से है शीत ऋतु नवंबर माह में प्रारंभ होती है लेकिन दिसंबर और इन जनवरी माह में बहुत कड़ाके की ठंड पड़ती है। हिंदू महीनों के अनुसार कार्तिक, अगहन, पोष और माघ – चार महीने सर्दी पड़ती है। शीत ऋतु का मौसम अन्य ऋतुओ की तुलना में बिल्कुल ही भिन्न होता है, इस समय दिन का समय बहुत छोटा होता है और रात का समय बहुत बड़ा होता है।

पौधा – वनस्पति – Plant :- पौधा का मतलब वनस्पति होता है । पौधा एक छोटे से गमले में लगाया जाता है और बाद में उसे खुली जगह पर लगाया जाता है,जो बढ़कर पेड़ का रूप ले लेता है ।

Brainbox
learn easy